देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 15.10.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने टिहरी जिले के मुनिकीरेती में आयोजित सरस मेले में विभिन्न स्टालों का निरीक्षण कर उत्पादों और बिक्री की जानकारी ली।
- स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत देहरादून के पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, दूधली में जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।
- उत्तरकाशी जिले में आंचल दुग्ध डेरी, ग्रामीण पशुपालकों की आजीविका को सशक्त बना रही है।
- हरिद्वार में त्योहारों पर शांति व्यवस्था को लेकर व्यापारियों और जिला प्रशासन की बैठक हुई।

<u>सरस मेला</u>

ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने टिहरी जिले के मुनिकीरेती में आयोजित सरस मेले लगाए गए विभिन्न स्टालों का निरीक्षण कर उत्पादों और बिक्री की जानकारी ली। इस मौके पर उन्होंने डेढ़ लाख से अधिक का निवेश करने वाले 10 उद्यमियों और निवेशकों को चेक वितरित किए गए। साथ ही अच्छा व्यवसाय करने वाले 10 स्वयं सहायता समूह को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। ग्राम्य विकास मंत्री ने जिला प्रशासन द्वारा सरस मेले में की गई अभिनव पहल गुल्लक–2 का आयोजन को लेकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि यह लघु और मध्यम उद्यमियों को जोड़ने, परामर्श, उत्पादन क्षमता और पूंजी बढ़ाने, बाजार उपलब्धता करने के साथ ही सक्षम और आत्म निर्भर बनाने में लाभदायक कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में आज करीब चार लाख 69 हजार से अधिक बहने स्वयं सहायता समूह के माध्यम से अपनी आजीविका चला रही हैं। उन्होंने कहा कि उत्पादों की गुणवत्ता के चलते देश विदेश में इनकी मांग बहुत अधिक बढ़ रही है।

<u>स्वच्छता ही सेवा</u>

स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय, देहरादून द्वारा पीएम श्री अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज, दूधली में एक जन–जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता, व्यक्तिगत स्वच्छता और मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में वैज्ञानिक 'ई' डॉ. अशिष कुमार ने विद्यार्थियों को हाथों की स्वच्छता के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी और बताया कि नियमित हाथ धोने की आदत जीवन प्रत्याशा को बढ़ाने में सहायक होती है। अपर निरीक्षक, वन, नीलिमा शाह ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए मानसिक व शारीरिक स्वच्छता पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि स्वच्छ विचार, नियमित व्यायाम और खेलकूद विशेष रूप से बालिकाओं के समग्र विकास के लिए आवश्यक हैं। इस दौरान बच्चों के लिए स्वच्छता और हाइजीन पर एक रोचक क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता में विजयी 20 विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके अलावा विद्यार्थियों को 250

स्वच्छता किट भी वितरित की गईं, ताकि बच्चों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता को बढ़ावा दिया जा सके।

कुक्कीवोन कप

नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ओपन कुक्कीवोन कप– 2025 में बागेश्वर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया है। प्रतियोगिता में दस खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिनमें से पाँच खिलाड़ियों ने पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। बागेश्वर के प्रियांशु कार्की ने स्वर्ण पदक, हितांश उपाध्याय ने रजत पदक, जबकि आराध्या, अनमोल और विशाल ने कांस्य पदक जीतकर जिले का नाम रोशन किया। इस प्रतियोगिता में दक्षिण कोरिया, जापान, फ्रांस, थाईलैंड, नेपाल, भूटान, श्रीलंका और भारत सहित 20 से अधिक देशों के खिलाड़ी शामिल हुए। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन कुक्कीवोन द्वारा किया जाता है, जो विश्व ताइक्वांडो का मुख्यालय भी है। कोच किशोर कुमार ने बताया कि बच्चों ने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस अनुभव से उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा तथा वे आगे और बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

स्वर्ण पदक विजेता प्रियांशु कार्की ने बताया कि मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने कहा कि उनका सपना है कि वो ओलंपिक में देश के लिए खेले और देश को गोल्ड दिलाएं।

बागेश्वर के इन युवा खिलाड़ियों ने साबित किया है कि छोटे शहरों के बच्चे भी कड़ी मेहनत और लगन से अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकते हैं।

आंचल दुग्ध डेरी

उत्तरकाशी जिले में मातली स्थित आंचल दुग्ध डेरी, ग्रामीण पशुपालकों की आजीविका सशक्त बनाने का केंद्र बन गई है। उत्तरकाशी जिले के दूरस्थ गांवों से पशुपालक प्रतिदिन दूध लाकर डेरी में उचित मूल्य पर बेच रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। डेरी प्रबंधक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा डीबीटी के माध्यम से दी जा रही दूध प्रोत्साहन राशि से पशुपालकों को सीधा लाभ मिल रहा है। इससे दुग्ध व्यवसाय को नई दिशा और रफ्तार मिली है और ग्रामीण अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो रही है। डेरी से जुड़े कर्मचारी, ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले दूध की गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। प्रत्येक खेप की जांच के बाद ही दूध, उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा रहा है। इस पहल से न केवल पशुपालकों को आर्थिक लाभ हो रहा है, बल्कि उपभोक्ताओं को शुद्ध और सुरक्षित दूध भी उपलब्ध हो रहा है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में सरकार का उद्देश्य दुग्ध उत्पादन को आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार से जोड़ना है, ताकि गांवों में आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिले। सरकार ने दूध उत्पादों से जीएसटी हटाकर उपभोक्ताओं को भी बड़ी राहत दी है। इससे दीपावली के पर्व पर दूध से बनी मिठाइयाँ, आम जनता को पहले की तुलना में सस्ते दामों पर मिलेंगी।

बैठक हरिद्वार

हरिद्वार में दीपावली त्योहार को शांतिपूर्ण ढंग से मनाए जाने के लिए पटाखों की बिक्री को लेकर व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से अपेक्षा की कि दीपावली के अवसर पर जो भी व्यापारी पटाखों की दुकाने लगाना चाहते है, उनके पास प्रशासन द्वारा जारी किया गया अस्थाई लाइंसेंस अनिवार्य रूप से हो। बिना लाइसेंस के पटाखों की दुकान लगाने वालो के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जायेंगी। लाइसेंस संबंधित क्षेत्र के नगर मजिस्ट्रेट व उपजिलाधिकारी कार्यालय से आवेदन कर प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि पटाखों की दुकानों को खुले स्थानों और प्रशासन द्वारा पूर्व में चिन्हित किए गए स्थानों पर ही लगाई जाएं।

सड़क हादसा

उत्तरकाशी जिले के बड़कोट में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर दोबाटा के पास आज सुबह एक रोडवेज बस और स्कूली बस की टक्कर होने से स्कूल बस में सवार 14 बच्चे घायल हो गये। जिला परिचालन केंद्र से मिली जानकारी अनुसार स्कूल बस में कुल 30 बच्चे सवार थे, जिसमें से 14 बच्चों को हल्की चोटें आयी हैं। सभी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट मे उपचार किया जा रहा है। रोडवेज बस में सवार दो व्यक्ति सामान्य घायल हुए हैं, जिनका उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बड़कोट में किया जा रहा है।

जिलाधिकारी नैनीताल

नैनीताल के नवनियुक्त जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शासन की नीतियों और योजनाओं को आम जनता तक प्रभावी ढंग से पहुंचाना, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ दिलाना और जनता की समस्याओं का त्वरित व पारदर्शी समाधान सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता होगी। श्री रयाल ने जिले में गतिमान विकास योजनाओं की सतत निगरानी करने की बात भी कही, ताकि कार्य समय पर पूरे हो सकें।